प्रदेश के बौद्ध सर्किट को मिलेगी प्राथमिकता, होंगे विकास कार्य

2024 में 64 करोड़ से अधिक पर्यटक आए उत्तर प्रदेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय बजट में देश भर के सर्वश्रेष्ठ 50 पर्यटन स्थलों के विकास की घोषणा की गई है। इसमें भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों के विकास पर विशेष जोर है।

उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को इसमें प्राथमिकता मिलेगी और यहां पर विकास से जुड़े कार्य होंगे। प्रदेश के बौद्ध सर्किट, जिसमें कुशीनगर, संकिसा, श्रावस्ती, सारनाथ, कपिलवस्तु, कौशांबी आदि स्थल शामिल हैं।

भगवान बुद्ध ने तप, ज्ञान, उपदेश, महानिर्वाण के लिए उत्तर प्रदेश को चुना था। यह बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए पवित्र स्थल हैं।

सरकार ने बौद्ध तीर्थयात्रियों के लिए विश्राम गृह, सड़कों का नवीनीकरण, अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और डिजिटल गाइड सिस्टम जैसी योजनाएं बनाई हैं, जिससे देश-विदेश के पर्यटकों को यहां आने में और बेहतर सुविधा मिले। प्रदेश में अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए सरकार काफी काम कर रही है।

सरकार ने यहां पर सड़क, परिवहन, रुकने की सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया है। साथ ही यहां प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार भी बढ़ा है।

स्वदेश दर्शन-2 योजना में यूपी में होगा काम

केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन-2 योजना के तहत नैमिषारण्य, प्रयागराज और महोबा को चुना गया है। नैमिषारण्य और प्रयागराज के विकास के लिए धनराशि स्वीकृत हो चुकी है, जबकि महोबा के लिए जल्द स्वीकृति मिलेगी। इन स्थलों और विकास कार्य होने से पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। प्रदेश में पर्यटन स्थलों पर होटलों, रेस्टोरेंट, ट्रांसपोर्ट, गाइड सेवाओं, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। इसमें भी महिला उद्यमियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।